

---

# Shri Viththala Artikyam

---

## श्रीविठ्ठलार्तिक्यम्

---

### Document Information



---

Text title : Shri Viththala Artikyam

File name : viThThalArtikyam.itx

Category : vishhnu, vishnu, moropanta, AratI

Location : doc\_vishhnu

Author : Mayurakavi or Moropanta

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : Stotras composed by Moropanta mayUrakavi

Latest update : December 23, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 23, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीविठ्ठलार्तिक्यम्



जय जय विठ्ठल भगवन् करुणामयमूर्ते! ।

(१) धूर्तेतरसकृदुपनतसर्वेप्सितपूर्ते! । ध्रुव० ॥

(२) श्रुतिशास्त्राचारानधिकारादतिमलिना

जीवास्तव दृष्टस्मृतवन्दितपदनलिनाः ।

ते साञ्जलिना दूरान्निमिताः खलु कलिना

कालेनापि कवलितारखिलजगता बलिना । जय जय० ॥ १ ॥

भवताधिष्ठितमानशं भीमरथीतीरं

वैकुण्ठीकृतमिह नो रमयति कं धीरं ।

जडमपि कुरुषे सुपटुं वाचि यथा कीरं

शिरसि विभर्षि घृतं ते येन चरणनीरम् । जय जय० ॥ २ ॥

त्वां मेघमिव मयूरा दृष्ट्वा तव भृत्याः

प्रेमाश्रुप्लुतनयना भृशविस्मृतकृत्याः ।

व्यक्तं मङ्गु भवन्ति प्रमुदादितकृत्या

मुक्तिवृणुते (३) तानुरुङ्गाय! मनोवृत्त्या । जय जय० ॥ ३ ॥

इति श्रीरामनन्दनमयूरेश्वरकृतं श्रीविठ्ठलार्तिक्यं सम्पूर्णम् ।


१। धूर्तेतराः सज्जनाः ।

२। श्रुतिशास्त्राचारेष्वनधिकारादधिकाराभावात् अतिमलिनाः स्त्रीशूद्रादयः ।

३। उरु गायं कीर्तियम्य तत्सम्बुद्धौ ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

pdf was typeset on December 23, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

